Histasy

बन्दा बहादुर : इनका जन्म 1670 ई. में पुंछ जिले के रजौली गाँव में हुआ था इनके बचपन का नाम लक्ष्मणदास था। इनके पिता रामदेव भारद्वाज राजपूत थे।

Banda Bahadur : He was born in 1670 in Rajauli Village of Poonch district. His childhood name was Laxman Das . His father Ramdev Bhardwaj was a Rajput.

⇒ बन्दा का उद्देश्य पंजाब में एक सिक्ख राज्य स्थापित करने का था। इसके लिए इन्होंने लोहगढ़ को राजधानी बनाया। इन्होंने गुरुनानक एवं गुरुगोविन्द सिंह नाम के सिक्के चलवाए। Banda's aim was to establish a Sikh state in punjab. For this he made Lohgarh the Capital. He issued Coins in the name of Guru Nanak and Guru Govind Singh.

राजधानी - लोहगढ़

⇒ बन्दा ने सरहिन्द के मुगल फौजदार वजीर खाँ की हत्या कर दी। मुगल बादशाह फर्रुखशियर के आदेश पर 1716 ई. में बन्दा सिंह को

गुरदासपुर नांगल नामक स्थान पर पकड़कर मौत के घाट उतार दिया गया। Banda killed the Mughal Faujdar of Sirhind, Wazir Khan. On the Orders of Mughal Emperar Farrukhsiyar, Banda Singh was Captured and killed at a place called Gurdaspur Nangal in 1716 AD.

→ बन्दा की मृत्यु के बाद सिक्ख कई छोटे-छोटे टुकड़ों में बटें गए थे। 1748 ई. में नवाब कपूर सिंह की पहल पर सभी सिक्ख टुकड़ियों का दल खालसा में विलय हुआ। After the death of Banda, the Sikhs were divided into many small groups. In 1748 A.D., on the initiative of Nawab Kapur Singh, all the Sikh groups merged into Dal khalsa

→ दल खालसा को जस्सा सिंह आहलूवालिया के नेतृत्व में रखा गया, जिसे बाद में बारह दलों में विभाजित किया गया। इसे मिसल कहा गया। Dal Khalsa was placed under the leadership of Jassa Singh Ahluwalia, which was later divided into twelve groups. These were called Misls.

जस्सा सिंह अहलुवालिया

* रणजीत सिंह : रणजीत सिंह का जन्म गुजरांवाला में 2 नवम्बर, 1780 ई. को सुकरचकिया मिसल के मुखिया महासिंह के यहाँ हुआ था। इनके दादा चरतसिंह ने 12 मिसलों में सुकरचकिया मिसल को प्रमुख स्थान दिला दिया। Ranjit Singh was born in Gujranwala on 2 November, 1780 to Maha Singh, the chief of Sukarchakia misl. His grandfather Charat Singh gave Sukarchakia misl a prominent place among the 12 misls.

दादा ⇒ चरतसिंह

रणजीत सिंह → जन्म - 2 Nov. 1780
↳ पिता - महासिंह
↳ मिसल ⇒ सुकरचकिया।

⇒ 1798 - 99 ई. में रणजीत सिंह लाहौर का शासक बना
25 अप्रैल, 1809 ई. को चार्ल्स मैटकाफ और महाराजा रणजीतसिंह के बीच अमृतसर की संधि हुई।
Ranjit Singh became the ruler of Lahore in 1798 - 99 AD. On 25 April 1809 AD, the Treaty of Amritsar was signed between Charles Metcalfe and Maharaja Ranjit Singh.

1809 - रणजीत सिंह Vs चार्ल्स मैटकाफ

⇒ रणजीत सिंह का राज्य चार सूबों में बँटा था - पेशावर कश्मीर, मुल्तान एवं लाहौर। Ranjit Singh's kingdom was divided into four provinces - peshawar, Kashmir Multan and Lahore.

प्रांत (राज्य)

⇒ महाराजा रणजीत सिंह का विदेश मंत्री फकीर अजीजुद्दीन एवं वित्त मंत्री दीनानाथ था। Maharaja Ranjit Singh's foreign minister was Fakir Azizuddin and finance Minister was Dinanath

= 7 जून, 1839 ई. में रणजीत सिंह की मृत्यु हो गयी। Ranjit Singh died on 7 June 1839

= प्रथम आंग्ल - सिक्ख युद्ध 1845 - 46 ई. में एवं द्वितीय आंग्ल - सिक्ख युद्ध 1849 ई० में हुआ। The first Anglo - Sikh war took place in 1845-46 AD and the Second Anglo - Sikh war took place in 1849 AD.

* अंग्रेजों एवं सिक्खों के मध्य हुई संधि :

= लाहौर की संधि : 9 मार्च 1846 ई.

= भैरोंवाला की संधि : 22 दिसम्बर, 1846 ई.

Treaty between the British and the Sikhs:

- Treaty of Lahore: March 9, 1846.
- Treaty of Bhaironwal: December 22, 1846

⇒ द्वितीय आंग्ल-सिक्ख युद्ध के दौरान पहली लड़ाई चिलियानवाला की लड़ाई सिक्ख नेता शेर सिंह एवं अंग्रेज कमांडर गफ के मध्य लड़ी गयी। दूसरी लड़ाई गुजरात के चिनाब नदी के किनारे चार्ल्स नेपियर के नेतृत्व में अंग्रेजों ने 21 फरवरी, 1849 को लड़ी। इस युद्ध में सिक्ख बुरी तरह पराजित हुए।
During the Second Anglo-Sikh war, the first battle was fought at Chillianwala between Sikh leader Sher Singh and British Commander Gough. The Second battle was fought by the British under the leadership of Charles Napier on 21 February 1849 on the banks of Chenab River in Gujarat. The Sikhs were badly defeated in this war.

⇒ डलहौजी की 29 मार्च, 1849 की घोषणा द्वारा संपूर्ण पंजाब का विलय अंग्रेजी राज्य में कर लिया। महाराजा दलीप सिंह को 50,000 पौंड की वार्षिक

पेंशन दे दी गयी और उसे शिक्षा प्राप्त करने के लिए इंग्लैंड भेज दिया गया। सिक्ख राज्य का प्रसिद्ध हीरा कोहिनूर को महारानी विक्टोरिया को भेज दिया गया। By Dalhousie's proclamation of 29 March 1849, the whole of punjab was annexed to the British Empire. Maharaja Dilip Singh was given an annual pension of 50,000 pounds and was sent to England for education. The famous kohinoor diamond of the Sikh Empire was sent to Queen Victoria.

* ब्रिटिश शासन में शिक्षा का विकास *

⇒ 1781 ई० में सर्वप्रथम G.G. वारेन हेस्टिंग्स ने कलकत्ता में मदरसे की स्थापना की In 1781 AD. G.G. Warren Hasttings first established a madrasa in Calcutta.

⇒ Study - अरबी एवं फारसी अध्ययन के लिए
Study - For Arabic and persian Studies.

⇒ प्रथम प्रमुख - नाजिम मुल्ला मुजुद्दीन
First Head - Nazim Mulla Mujududdin

Asiatic Society of Bangal - जनवरी 1784. विलियम जोंस ने
January 1784. William Jones

भारतीय भाषाओं एवं शास्त्रीय अध्ययन
Indian languages and Classical Studies

⇒ अभिज्ञान शकुंतलम् (कालिदास) व गीत गोविन्द (जयदेव) का अंग्रेजी में सर्वप्रथम अनुवाद - विलियम जोंस First English translation of Abhijnana Shakuntalam (kalidas) and Geeta Govinda (Jaydev) William Jones.

⇒ भगवद्गीता तथा हितोपदेश का अंग्रेजी अनुवाद - विल्किंस
English translation of Bhagavad Gita and Hitopadesha - wilkins

⇒ विलियम जोंस ने 1792 ई० में 'Institute of Hindu law' के नाम से मनुस्मृति का अनुवाद भी प्रकाशित किया था। William Jones also published a translation of Manusmriti in 1792 under the name of 'Institute of Hindu law'.

⇒ 1791 ई० में जोनाथन डंकन ने वाराणसी में संस्कृत कॉलेज की स्थापना की थी। In 1791, Jonathan Duncan established Sanskrit College in Varanasi

→ उद्देश्य - हिन्दुओं का धर्म, साहित्य तथा कानून का प्रसार करने हेतु।

Objective - To Spread Hindu religion, literature and law

फोर्ट विलियम कॉलेज - स्थापना 1800 ई० में, वेलेजली ने कलकत्ता में कंपनी के असैनिक अधिकारियों की शिक्षा हेतु।

Fort William College - Established in 1800 by wellesley in Calcutta for the education of the Civil officers of the Company.

⇒ किन्हीं कारणों से 1802 ई० में इसे बंद कर दिया गया था
Due to some reasons, it was closed in 1802.

⇒ भारत में आधुनिक शिक्षा की नींव 1835 ई० के मैकाले के स्मरण पत्र द्वारा
The Foundation of Modern education in India was laid by Macaulay's Memorandum of 1835.

⇒ मैकाले अंग्रेजी शिक्षा का एक ऐसा वर्ग बनाना चाहता था, जो रंग एवं रक्त से भारतीय हो, परन्तु प्रवृति, नैतिकता, विचार एवं बुद्धि से अंग्रेज हों।

Macaulay wanted to create a Class of English education which would be Indian by Colour and blood but English by tendency. morality. thought and intellect.

1854 का चार्ल्स वुड डिस्पैच: Charles Wood Dispatch of 1854:

⇒ डलहौजी के कार्यकाल में शिक्षा के विकास का दूसरा चरण आरंभ हुआ। कंपनी ने 19 July 1854 को अपनी शिक्षा नीति घोषित कर दी।
The Second phase of development of education started during Dalhousie's tenure. The Company declared its education policy on 19 July 1854

⇒ वुड डिस्पैच को भारतीय शिक्षा का 'मैग्नाकार्टा' कहा जाता है। Wood's Dispatch is called the Magnacarta opus of Indian education.

सिफारिश: सरकार पाश्चात्य शिक्षा, कला, दर्शन, विज्ञान व साहित्य का प्रसार करे। Recommendation:- The government should Spread western education, art, philosophy, Science and literature.

⇒ उच्च शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी हो किन्तु देशी भाषाओं को भी प्रोत्साहित किया जाए।
Imp. The medium of higher education should be English but native languages should also be encouraged.

⇒ लंदन विश्व० के आधार पर कलकत्ता, चेन्नई व मुम्बई में तीन विश्व० स्थापित किये जाये। On the basis of London University, three universities should be established in Calcutta, Chennai and Mumbai.

1857 में

⇒ महिला शिक्षा को बढ़ावा दिया जाये।
Women education should be encouraged.

⇒ वुड डिस्पैच विश्व स्तर की शिक्षा से संबंधित था।
Wood's Dispatch was related to world class education.

⇒ पहली बार महिला शिक्षा का समर्थन 1854 के वुड डिस्पैच में किया गया।
For the first time women education was supported in wood's Dispatch of 1854.

⇒ पहली बार 1833 के (jmp) अधि० के तहत भारत में शिक्षा के लिए 1 लाख रु० दिये गये थे।
For the first time Rs. 1 lakh was given for education in India under the Act of 1833

⇒ आधुनिक पाश्चात्य शिक्षा का भारत में प्रसार करने का श्रेय ईसाई मिशनरियों को दिया जाता है।
Christian missionaries are credited with Spreading modern western education in India.

पाश्चात्य शिक्षा - एक मध्यम वर्ग तैयार करना जो औपनिवेशिक व्यवस्था बनाये रखने में सहायक है।

Western education - to Create a middle class which is helpful in maintaining the Colonial System.

⇒ भारत में प्रथम इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना 1847 ई० में रुड़की में जेम्स थामसन ने की The first engineering College in India was established in 1847 by James Thomson in Roorkee.

⇒ भारत में आधुनिक शिक्षा का जन्मदाता - चार्ल्स ग्रांट को Imp.
The father of modern education in India - Charles Grant

⇒ अंग्रेजी शिक्षा वाले स्कूलों का जाल बिछा देने की योजना सर्वप्रथम चार्ल्स ग्रांट के मन में आई थी।
The plan to Spread a network of schools with English education first Came to Charles Grant's mind
Imp.

⇒ ब्रिटिश एशियाई प्रजा की सामाजिक स्थिति नामक पुस्तक का लेखक चार्ल्स ग्रांट The book titled Social Status of British Asians was written by Charles Grant
Imp.